मोबाइल उपन्यास का सारांश

श्रीमति क्षमा शर्मा द्वारा रचित एक लघु उपन्यास है मोबाइल। इसकी नायिका मधूलिका सिन्हा नामक तेईस साल की लड़की है जो आगरा से आकर दिल्ली के एक बड़े पुस्तक प्रकाशन संस्थान में कॉपी एडिटर का काम करती है। वह उसी संस्थान में काम करनेवाली फरहत नामक लड़की के साथ दिल्ली में एक घर लेकर रहने लगी। फरहत अलीगढ़ की मुलसमान लड़की थी और मधु हिन्दू ब्राह्मण। दोनों एक ही घर में रहने लगी तो लोगों को यह बात बडी अजीब लगी। पढ़े-लिखे लोग भी यह मानने को तैयार नहीं थे कि एक हिन्दू ब्राह्मण और एक मुसलमान साथ-साथ रह सकते हैं। मधू और फरहत दोनों पढ़ी-लिखी लड़कियाँ इन बातों की परवाह करनेवाले नहीं थीं, दोनों आधुनिक विचारधारा की आत्म निर्भर लड़कियाँ थीं। ऑफिस में मधु और फरहत, आदित्य और विनय नामक युवकों के साथ एक ग्रूप बनकर काम करती थीं और उन चारों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती भी हो गयी। आदित्य की सहायता से ही मधु और फरहत को रहने केलिए घर मिला था।

मधु का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ था जिसमें लड़कों और लड़कियों का पालन एक समान होता था और दोनों में कोई भेद भाव नहीं माना जाता था। उसकी माँ पुरानी रूढ़िवादी विचारधाराओं से मुक्त आधुनिक विचारधारा की स्वाभिमानी औरत थी जो अपने बच्चों को पढ़ाकर कामयाब बनाना चाहती थी। मधु को अपने घर से दूर दिल्ली में नौकरी मिली तो वह अपने माँ-बाप को अकेले छोड़कर जाना नहीं चाहती थी तो उसकी माँ ने ही उसे यह बात समझाया कि आज नहीं तो कल उसे अकेले रहना ही पडेगा। जब मधु और फरहत ने इकट्ठे रहना तय किया तो उसकी माँ ने इसके लिए इजाज़त दी। माँ ने ही उसे स्वावलंबी एवं समझदार बनने की प्रेरणा देती रही। समाज में व्याप्त अनाचार, अन्याय और भेद भाव को मधु हमेशा ललकारती थी। उसका यही विचार था कि समाज में पुरुष का जो स्थान है वही स्थान औरतों का भी है। फरहत अलीगढ़ की मुसलमान

VTMNSS COLLEGE LIBRARY

लड़की है जिसकी माँ के अलावा और कोई नहीं थी। उसके पिता अमरिका गए तो कभी लौटा नहीं, किसी दूसरी औरत से शादी करके वहीं बस गए। माँ ने बड़ी मुश्किल से उसे पाला। अपनी माँ पर जो बीती उसे देखकर उसने शादी न करने का फैसला किया। वह भी मधु की तरह स्ववलंबी लड़की है।

मधु, फरहत, आदित्य और विनय के बीच अच्छी दोस्ती बन गयी और वे चारों मिलकर बहुत अच्छी तरह काम करने लगे। अचानक एक दिन नवीन खन्ना नामक एक युवक मधु से मिलने आया जो उसके हाथ से रास्ते में गिर गए दो चैक उसे लौटाने आया था। नवीन बैंक में प्रोबोशनरी ऑफीसर के रूप मे काम करता था और उसका आकर्षक व्यक्तित्व एवं बातों पर मधु आकृष्ट हो गयी। दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गयी और धीरे- धीरे मधु उससे प्यार करने लगी। नवीन औरतों का आदर करनेवाला या उन्हें पुरुषों के बराबर समझनेवाला आदमी नहीं था। वह कई लड़कियों से प्यार का ढ़ोंग करतनेवाला स्वार्थ व्यक्ति था। मधु भी उसकी अनेक प्रेमिकाओं में एक थी। लेकिन मधु को इस बात का पता नहीं था, उसे नवीन पर पूरा विश्वास था और वह उससे शादी करने का सपना देखती थी। वह नवीन को दुखी करना नहीं चाहती थी इसलिए उसकी हर बात को मान लेती थी। फरहत और आदित्य ने नवीन को दूसरी लड़कियों के साथ देख लिया था और मधु को इस बात का पता चला तो वह यही सोचती थी कि वे सब उसके दोस्त या कुलीक (colleague) होंगी। एक बार किसी बात पर मधु नवीन से रूठकर चली तो उसे मनाने के बहाने नवीन भी उसके पीछे पीछे उसका घर पहुँच गया। घर में फरहत नहीं थी, वह अपनी माँ से मिलने अलीगढ़ गयी थी। मौके का फायदा उठाकर नवीन मधु से शारीरिक संबंध कर लेता है। उसके बाद मधु नवीन को अपनी माँ से मिलाकर जल्द से जल्द शादी तय करना चाहती थी और नवीन भी उससे यही कहा कि वह इसके लिए तैयार है। मधु को भी नवीन पर शक होने लगा था, उसे ऐसा लगने लगा कि नवीन का किसी दूसरी लड़की के साथ संबंध है। फिर भी वह उससे शादी करना चाहती थी। स्वाभिमानी होने के बावजूद भी वह नवीन को अपनाने के लिए कुछ भी सहने को तैयार थी।

VTM NSS COLLEGE LIBRARY

मधु की माँ कुछ दिनों के लिए अपने बेटी के साथ रहने आयी तो मधु ने नवीन के बारे में उनसे कहा। खुद कहने में संकोच होने के कारण फरहत से कहलाया और माँ से मिलवाने के लिए नवीन को घर बुलाया। नवीन ने आने का वादा तो किया पर नहीं आया। उसने मधु को फोन तक नहीं किया। कई दिनों तक उसका कोई खबर न होने के कारण मधु ने उसके ऑफिस में फोन किया तो पता चला कि वह तबादला लेकर बैंगलोर चला गया है। इससे मधु को बहुत बड़ा धक्का लगा। उसे पता चला कि उसके साथ धोखा हुआ है।

कुछ बरसों के बाद मधु ने नवीन को एक चिट्ठी लिखी जिसमें वह उसके जाने के बाद की सारी बातें लिख दीं। वह नवीन को यह बात समझाना चाहती थी कि उसके धोखा देकर चले जाने के बाद भी वह सफल जीवन बिता रही है। कुछ दिन बाद उसे नवीन का फोन आया और नवीन ने उससे कहा कि वह मधु से मिलना और उस के साथ फिर से संबंध रखना चाहता है। मधु उसे अपने घर बुलाती है और नवीन बड़ी खुशी के साथ उसका घर आता है। नवीन ने उसे बताया कि उसकी पत्नी और एक बेटा है। मधु नवीन को अपनी जुड़वाँ बेटियों, रिद्धि और सिद्धि से मिलाकर कहती है कि वही उन बच्चियों का पिता है, चाहे तो वह डी.एन.ए. टेस्ट करा सकता है। नवीन के उसे धोखा देकर चले जाने के बाद उसे पता चला कि वह माँ बननेवाली है। उसने हिम्मत नहीं हारी और अपने बच्चियों का परवरिश कर रही है। तभी आदित्य वहाँ आया और मधु ने नवीन से कहा कि आदित्य अब उसका पति है। यह सब सुनकर नवीन परेशान हो गया और किसी तरह वहाँ से निकल गया। इस तरह पहली बार नवीन को मधु के सामने हार मानना पड़ा और मधु को उससे प्रतिशोध लेने का आनन्द अनुभव होता है। वास्तव में आदित्य से उसकी शादी नहीं हुई, वह तो नवीन से प्रतिशोध लेने में उसकी मदद करने आया था। यहाँ पर यह लघु उपन्यास समाप्त होता है।

इस लघु उपन्यास के द्वारा लेखिका ने आधुनिक युवा जीवन को चित्रित किया है। युवा लोगों के लिए आज के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज़ होती है

VTMNSS COLLEGE LIBRARY

मोबाइल। नवीन जैसे लोग लड़कियों को मोबाइल की तरह समझता है, कुछ समय के लिए एक को रखा, उससे बहत्तर मिल जाने पर उसे छोड़कर दूसरे को स्वीकार किया या एक साथ अनेक रख लिया। मधु के चरित्र की भी तुलना मोबाइल से की जा सकती है। पहले वह एक गाँव या छोटे शहर की लड़की थी जैसे पुराने मोबाइल जिसमें सुविधाएँ कम होती है। बाद में दिल्ली में आकर रहने के बाद वह आधुनिक मोबाइल की तरह हो जाती है जिससे बहुत बढ़िया कार्य भी किया जा सकता है। मधु से यही भूल हुई कि उसने नवीन पर विश्वास किया, लेकिन धोखा खाने के बाद वह हालात को समझने और स्वीकार करने को तैयार हो जाती है। अपनी बच्चियों को जन्म देकर वह उनका पालन पोषण अकेले ही करती है। पहले वह नवीन जैसे चालाक लोगों पर भी आसानी से विश्वास करनेवाली भोली लड़की थी तो अब वह प्रौढ़, समझ वाली माँ है जो परित्यक्ता होने पर भी अपनी बेटियों की परवरिश अच्छी तरह करती है।

VTM NSS COLLEGE LIBRARY

मधु का चरित्र चित्रण कीजिए

श्रीमति क्षमा शर्मा द्वारा रचित एक लघु उपन्यास है मोबाइल। कामकाजी महिलाओं के संघर्ष भरे जीवन का चित्रण करनेवाले इस उपन्यास की नायिका मधूलिका सिन्हा तेईस साल की लड़की है जो आगरा से आकर दिल्ली के एक बड़े पुस्तक प्रकाशन संस्थान में कॉपी एडिटर का काम करती है।

मधु का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ जिसमें लड़कों और लड़कियों का पालन- पोषण एक समान होता था और दोनों में कोई भेद- भाव नहीं माना जाता था। उसकी माँ पुरानी रूढ़िवादी विचारधाराओं से मुक्त आधुनिक विचारधारा की स्वाभिमानी औरत थी जो अपने बच्चों को पढ़ाकर कामयाब बनाना चाहती थी। मधु को अपने घर से दूर दिल्ली में नौकरी मिली तो वह अपने माँ-बाप को अकेले छोड़कर जाना नहीं चाहती थी तो उसकी माँ ने ही उसे यह बात समझाया कि आज नहीं तो कल उसे अकेले रहना ही पड़ेगा। माँ की आधुनिक विचारधारा और व्यक्तित्व का प्रभाव उस पर पड़ता है और वह स्वावलंबी एवं समझदार बन जाती है। समाज में व्याप्त अनाचार, अन्याय और भेद भाव को मधु हमेशा ललकारती थी। उसका यही विचार था कि समाज में पुरुष का जो स्थान है वही स्थान औरतों का भी है।

मधु हिन्दु ब्राह्मण है, फिर भी मुसलमान लड़की फरहत के साथ एक घर में रहने को तैयार हो जाती है। जाति -धर्म के नाम पर जो भेद- भाव था उसे वह मानती नहीं थी। उसे हमेशा अपने परिवार की चिंता रहती थी। ऑफिस में भी वह सब के साथ अच्छा संबन्ध रखती थी। उसे प्रमोशन मिलने पर विनय और आदित्य उसका मज़ाक करके ऐसी वैसी बातें करते हैं तो भी वह उनकी बातों का बुरा नहीं मानती। वह यही चाहती है कि उनका भी प्रमोशन हो।

नवीन खन्ना से प्यार होने पर मधु उस पर पूरा विश्वास करती है। नवीन कई लड़कियों से प्यार का ढ़ोंग करानेवाला स्वार्थ व्यक्ति था, वह भी उसकी अनेक

VTMNSS COLLEGE LIBRARY

प्रेमिकाओं में एक थी इस बात का पहले उसे पता नहीं था। जब उसे दूसरी लड़कियों के साथ नवीन के संबन्ध का आभास हो गया तो वह यही सोचती थी कि वे सब उसके दोस्त या कुलीक (colleague) होंगी। स्वाभिमानी होने के बावजूद भी वह नवीन को अपनाने के लिए कुछ भी सहने को तैयार थी। वह नवीन को किसी भी हालत में दुखी करना नहीं चाहती थी, इसलिए उसकी हर बात को मान लेती थी। नवीन के साथ शारीरिक संबन्ध हो जाने के बाद भी उसे दुख या पशतावे का भाव नहीं होता क्योंकि उसे पूरा विश्वास था कि नवीन उससे शादी करेगा। वह नवीन को अपनी माँ से मिलाकर जल्द से जल्द शादी तय करना चाहती है। जब उसे यह पता चलता है कि नवीन तबादला लेकर बैंगलोर चला गया तो उसे बहुत बड़ा धक्का लगता है। तभी वह समझ लेती है कि उसके साथ धोखा हुआ है।

बरसों के बाद मधु नवीन को एक चिट्ठी लिखती है जिसमें उस ने उसके जाने के बाद की सारी बातें लिख दीं। वह नवीन को यह बात समझाना चाहती थी कि उसके धोखा देकर चले जाने के बाद भी वह सफल जीवन बिता रही है। नवीन ने फोन करके उसे मिलने और उसके साथ फिर से संबन्ध रखने की इच्छा प्रकट की तो मधु उसे अपने घर बुलाती है। वह तो उसे अपनी बेटियों से मिलाना और अपना सफल जीवन दिखाकर उससे प्रतिशोध लेना चाहती है जिसमें वह कामयाब हो जाती है।

VTM NSS COLLEGE LIBRARY